

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

DH 110

[illegible]

दयकस्य विष्णुमाधकः पञ्चानन्दविगहायति स्थं श्रीवसूनादविया क० नाथयाकरा ॥

श्री परमं त्रित्वं मधुलज्जननयनयनां सत्त्वानां जननयनधर्मोदस्यंगिगच्छामिष्टीवसे १

अथ विनिर्दिष्टं । अथ दत्तविनाशपतिस्तनूनायशाहाडाहोवसूंक्षानाद्विनयसंतत्रिरुया

नाडा मधुमधुनसुपाहिनालयागुगुविनूयशुलडगुविनूयशुयाडाधमदहनायागवैहंभंभंयंही

॥ वसंधावादाविनयिकतायास्यविक्रान्ता ॥ श्री ॥ ॥ ॐ निम्यत्वादिवायसूनिताहीवसंधानाभ्यक ॥

नूयंमहालक्ष्मीमह्यनूयंकमालिमकनूयं० किमंत्रिह्य सुखधावतदि मृह्यश्रुवालिना ॥ x ॥

अथ विन नायादाऽस्त्वनि नृय इनं च नृय धा मा ह्री व सं धा वा द वि च्छ नृय म दान्ति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

पदविकिंश्रुतप्रयसिन्धुकादसमञ्जसिलिखितमानिधायहिवासा X राथश्चञ्चिवसुधावादावन

स०२० गुसुलनाया अस्वधाषनदिमूखनिमंताया अनादागहाधजाअनयाहीवसंधानादविः
 याकनमस्का लयाताउयाथनायाहादददविहलनयानस्यनहृआदयकस्यविष्कनाधकलुना
 ही ययाग०१॥ ॥दवीवाव॥हीवसंधानादविनूआह्लादयक०१॥ ॥नदिमूखअस्वधाष ७
 युवांमधमलुनगलासमथोदयनाजायदलितुसंक्राथमधमलुनगद॥ ॥दतदिम
 अस्वधाषद्वयविनिममृमलुनसडानासुयेदयनाजायावनिदस्वाहनिधकहीवसंधानाद

विंआह्लादयकस्यविष्काग॥ ॥नदिमूखअस्वधाषउवाचकिंमर्थेनसकामि॥ ॥नदिम
 ह्वसस्विधाखयदिस्यनध्वचहृयानिमिमिन्नमरुयिडाहलयालयायसातनजियविद्वयधकही
 वसंधानादविशाकलुमाययाग॥ ॥हीदवीउवाचयदिनंकासिगहसि॥ ॥हीवसं
 धानादविंआह्लादयकलहृयनिग्वमरुगडासहनिधकआह्लाहल॥ ॥नदिमूखअस्वधा
 वदविमाह्लाहिलसानिधायमधमलुनगनीगलावगामधमलुनंवलितुंसदध्वनंमलुन॥

सप्तमायादहासुवाहायनिसुतध्वनथम्यगहाहानधकज्जगिहितसप्तहनययायूवाक्षवचनध्व
 न॥ ॥सध्वयंगनिनूयन॥ वांश्चित्तवादहायिकुंगन॥ दसिनवह्रिकाकायादियकीयोवनस
 ही॥ वल्लदाभायका॥ ॥कीसेखनंनिनूययाताजगुनिदिदहाजनयहिस्यनस्वयध्वकडानदहाया॥ ॥
 यजान्ताकयहिस्यंखन॥ थंथं॥ अगिरिठजडरुनल्लदानसंशकशडा॥ मिसानिक्तवह्रिकायासुस
 सध्वन॥ ॥नदसमाशनवहनसकल्लान्ताकयधमध्वमध्वलएवंदवकांनानवमध्वकां॥

न्याः॥ निमत्तायत्यागका॥ ॥ध्वमिसाधवादाखनामागनध्वयसयालाकयहिस्यनस्वल्लयम
 रुस्यवान॥ खदिहुमकावाहाडाध्वनध्वयनिदवका॥ न॥ मध्वयकांन्यात्रा॥ ध्वयनिमदमधुसममधु
 कांन्याजामदधिथिखल्लान्ताजडानिदुडान॥ ॥सायकाथायनकिठमिदुगुमागंयवकाथादह
 ध्विहायध्विभाकवपनिदिनंकांन्यामिस्म॥ ॥ध्वदवयनिहूयगध्वनसाह्वगुविथायसमध
 नमूकमागनयवदधिंयध्विभडरुवध्वगुदिगम॥ क्रिथं॥ रुहायाजाम्महाडाहूयुहा॥ ॥

यत्तपोवज्रनासवेष्टुमीजगंतुलि तं २ मा गत्वा राज्ञानि वदिमं ॥ राधयहिथथश्च ३३ त्वनाडयो
 वज्रनयनिसकल्यं अरुणवायाडा दनासन गत्वा तनं वाजाया ३३ अनडा निवृदनाया ३३ न ३॥
 श्री ॥ दवकिंमर्थं वरुणास्व न्य दिव्यस्त्रियोवनगी गंयनिदिन कलागिस्म ३३ निमिषवा ३३ रुतिः ३३
 मिश्रवा तजानामि गजिस्त्रिगार्थं विस्त्राधिगं ॥ रागथश्चासा दंदवमादावाजा ३३ द्युय ३३ अर्थो ३३ व
 छिवा दविश्यास्व नम ३३ अग्निशितमिसानिक्तस्यं ३३ द्विथं ३३ २ म्यदावाजा ३३ वान ३३ शिवा ३३ मशिवा ३३ धुनु ३३ विस्त्राजिय

निहडा न्य दलयावस्य नम्रास्त्रा दयकस्य विस्त्रागमालधक ॥ ॥ वाजाया मृथश्च ३३ आवाय ३३ रुनाः ३३
 निवाजाविंमपवायवस्त्रिगा ॥ राधथयुजावा कयगिस्त्रिधाया ववन ३३ ३३ ३३ वाजाया मिथश्च ३३ द्य
 ३३ दमिसाडावाधकधा ३३ नां ३३ श ३३ द्यां ३३ शिनम ३३ धू ३३ ग ३३ थ ३३ द्य ३३ धक ३३ वाजा ३३ नविं ३३ वनाया ३३ नाडा ३३ अर्थ ३३ वान ३३ रा
 गत्वा तनं गवं मग्निना ददं ३३ ग ३३ गावाजा ३३ नागरा ॥ राधथश्चावा नधुनु विनलस ३३ अग्निन ३३ दद ३३ वय
 वंथथमिदस्य नं वाजावाज ३३ ववन ३३ धि ३३ दाम ३३ ३३ ३३ ३३ वानधक ॥ ॥ गजुतं ३३ ल ३३ अस्त्र ३३ धा ३३ वविगयः

क्विन्नर्थं राजाना ग ॥ ॥ यन्नलि गजा पिहामडा यत्तु खधावन विं न नाया गद्वृत्तु नैध न जा
 राजगृहदायिहामडा न धका ॥ ॥ नमाद विआह्ला विलं विल्य न विं यथा ज न अयि गुमदा वाना
 ६॥ दा नूय माह्य य उद्यान पुष्पलनि विधं सनाय ग ॥ ॥ यन्नलि थं अखधावन नदि मूखया ॥
 हडा न्यधाम सिजिह्वा ॥ न्यह्नी वसंधा नाद विआह्ला दयका ॥ हन विलं वनधा न्यम न धका आनवा
 जाधामोयिहामडा न सिजिस विलं रं हा ना हा ययथा ज न दूधका पुष्पावा लहत्वं सिजिस मादा

वागादाया नूय रुयाडा राजाया उमान पुष्प निविधं सन याडा न्य नूधका धयति निक्तं मादा वाना हाया
 नूयकाडा उमान सडा नरा ॥ ॥ नलदहादिस्य नवनाक अरुं नदि मूखमा द विं स विथ न विधं स
 यामि आरुं यथा कार्य संयादि कृत्वा कलिया मि विधं सि ॥ ॥ पुहानि कं थ उमान सडा नाडा द
 हादिग संस्व याडा नदि मूख अखधावन हा न धाम ग थ सिजिस्य नयाय रुं डा गु गु नि कथं या
 यधका अखधावन नदि मूखया न धाम नै न्दि मूखं नै धं नै सिजिसं याय गु कार्य ग थ सिध व थ गु

कथं या यधका थ उमानयूखलि तिक्तस्य न संकलधका ॥ ॥ रमा उमान उना यात रं मा दावावा ॥
 हा दृष्टा जाति यदि न द व म दावावा हा न उ या न यू धि नि नि वि धं सि गा ॥ ॥ थ न लि थं थ उ
 ६० मा न यू ख लि स वि ना या ना थं क ज न ज या ॥ थ म दा वा वा हा य नि ख न हा हा ॥ वा जा या दृ दृ ण ना वा ज ८
 या क रू ना य या न ॥ द द व म दा वा जा क ज ध न मा दा वा वा हा य नि थं क ल या व या उ मा न यू ख नि स व
 लि थं थं क ल ग थ मा ल ध का ॥ ॥ वा जा उ वा वा जा उ था य सं स र व म हा किं र वि थ नि रं द रं ॥

दं र वि थ नि रू थ क हा य थं थं क ल य नि स ॥ ॥ थ न वि ना जा न थ उ मा न या ॥ दृ दृ ण ॥
 ज य द ज स सं र म हा या ज धा न रू रू थ जी शि ण ज म थ ध का थ म वि क ना या हा य थं थं क ॥ य ज वि थ य
 क ल ध का ॥ ॥ क रू थ यो व ज ना वा जा सं र ग ना ॥ कि मा हा य य नि ॥ ॥ थ थं थं थं थं थं थं थं थं
 य क रू म हा या य ज ला क य हि स क लं वा ज स र स वा जा या हा ॥ न थ ज या क न द म हा वा ज स थं थं थं थं
 आ हा द य क थ वि क हा ध क रू ना य या न ध का ॥ ॥ थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं थं

यंगमा ४ किं कलि था मि ॥ ॥ राजान आह्लाद यक सविष्कार दय जाला का आ १ गान्यं द मि स्यं मा मि
 या निग मा हा नडा धन वा वा हा य नित्यं मि डि उ मा नू यू ४ स्यं कलः श्र मा दा वा वा हा यिं मि डि स न ग थः
 ७० मा य ध क ॥ ॥ अथ अ मा र्थे नि वे दि न आ ह्ला द दि ॥ ॥ य हा राजान आह्लाद यक गु व रु द न ते
 स म्भ य मो न यु ज्ञा य हि स्य न राजा या के नि व द न या ग द सू थो द य म हा राज ग थ या य क मा आ ह्ला द य
 क स वि का इ हि ध क ॥ ॥ राजा वा च स व द म ड आ न र मि ग म न्ना य मा हा वा वा हा ह्द य नो य था

गं म्भ ना न क नू स वं ज ना सं रा थ क दा दं ॥ ॥ राजान आह्लाद यक ल मि डि स क ल्यं उ या न रु मि डि
 न्मा ज श्र म हा वा वा हा रु क क माल ध क धा या ह्व नी दे १ स रा वा क य हि स्य न धा न ध क ॥ ॥ य थं व म
 रु म हा वा ज ४ स वं सं डि क्वा न ह्द कि न थ स्ति य नां ॥ ॥ ग थ ह ल या न स न आ ह्ला द य क स विष्कार
 क अ थ डि मि स न या य ध क स क ल व्ध नं गाल ला न का डा डाल ॥ ॥ य व दि स वा जा दि दिं नी नि
 मा ल य न्नि म दि स स ना य हि उ रु व दि स स वं यो व ज ना स्ति न ॥ ॥ ग थ वा न धा न सा पू व दि

सासनाजादक्षिनादिसासपमाहायनि यद्विमदिसासध्वनायटिउरुत्रुसिसासमसुयुजालाकथथथथ
 नश्नाजानज्जालादयकल ॥ ॥ स्तुत्यायनयामासस्यजिदिसाजायुहानथादयगुनथायनमसाव
 ७१ नासायनायिगवृधिरुनसंक्रानिसमयादधुयामि ॥ ॥ युहावालनाजानज्जालादयकलध्वानादा
 धानरुगिधूनंमद्वसंदिशकिकुंमडायवायुयुक्तयादिहान्त्रियकाकलध्वयिदधुयायधक
 धान ॥ ॥ नगामदावादासर्वजनादृष्टसंगसिगमदावावाकवादादधुवाउरुयदसदि

संश्रवलयमदाहादं कलाकि ॥ ॥ थहाविधमदावावादायनिनिक्तमनसैद्यैमोवलाकयाहा
 दनायाडादहाडास्वनदहादिमसंखयाडाकडाहदयाहाडादावधका ॥ ॥ मदावायुध्व
 गनगमोच्चकावधवदनिजगदिसंवाजाटिधकिटदिमंयवायकि ॥ ॥ थयनिनिक्तंदावा
 ह्वात्यनमदावायुगडाधनरुसडाकृष्णकाल्लयकाद्वंन्यनमदयकध्वनसनाजायानादुदि
 हानथवावादाहिमंभगहाविसजानधका ॥ ॥ गाजाससंश्रम्यधानगवसचनकिध्वन्यस्म

निरुपायनिविह्वयिगः यावत्स्वगृह्णाति गावगच्छामः अथवाजा अस्वमावृक्षसर्वजनाद्यादिगं
 गमरा वाथवाजाथमथाहमगुदिहान्थमदावावादाहिमंविस्वउताडावाजाम्द्वान्त
 ही यूहावालवचिसूमवाहाडाधमथवाजानथवलसुधमदावावाहाडाहाहयधकाविना १२
 नायाहाडासुलगयाः धमदावावादात्रिययाकडाना वाकिंचिदुलंगमयसि नयदावाजा
 तयहमलि किंचिदुलंगममदादुलंगमसंघजनामहमरंरुहवायनिनिवृणा वाकिंचिन्

धमदावावादायहिस्वंगाथिन्यडाताः यानंदयवाः रुक्कन थवलसवाजानमह्वंकाथिन्यडाता
 रुवान्वि हाविंकाथिन्यवाजाडातासमसंजीवेगहायनिमहागहृयाः स्तिदाडावधका १३ वा
 नदिमह्वअस्वधाषअस्वहालिलययिस्यः स्वनायदवगिवाजामदादुलंगमासधनाकथकां १४
 थथयुजायहिसकलंलिदाडासंविथनदिमह्वअस्वधाषहिमस्यनंवावादाः यावयगाः गाडासलय
 वद्विनाः सुलगयाः धमस्योदयवाजाः सर्वंरुयकाः यनरुविंकाथिन्यमनथयानामस्तदथमथं

कयन्तधका ॥ सतनामयक ४ नाजा गत नगनाजा अस्वकवृक्षगल्य इस्ववथयनि नक्षत्रान
 समाख्यनकनाहृग ॥ ॥ थथ्यनाजासननद्रयकयनाजनाजाउनायविस्वसैनकनरुकाउ
 नथनलिनाजाअस्वकवृक्षसिमाकसमलनंकाकाया ४ वात्यनमायायानसैननंस्वगुविस्ववि १२
 कनादयकं हवका नायानधका ॥ ॥ गदावाजाह्रायिगस्यनयादियमहाषयमयाहियवाकुमिहानि
 सननयादियमनायनागायाहियनसविशयकथंयुनियययरा ॥ ॥ थवलसनाजानसैनयाहानध

नक्षत्रजिह्वविंयाअलपह्ययौको ४ लंकिजिह्वविंकां ४ वाइलाधका सनधावदसथोदयमहा
 नाजथनथधिंवनसमद्वगहदयिडाजिह्वविंयिकिहलधननद्वमद्वगथयायधका ॥
 सनवावननाजामकायवृक्षगल्यस्वयगांयाहियमन्वयमाह्यागहामिनययागग ४ काश्चिद्वल्यस
 वनदिहादहावाहृत्व ४ लविगं २ गग ॥ ॥ सननधावननाजाहा ४ नादमद्वनाजहलयायथगुलि
 अस्वकवृक्षसिमायाकसविआहृनिजिनहलयायसुनद्वका ४ डानधका थनहवका नाजानन

॥ सा सा अय स वा ख दृ दं आ वा नि रं मा न व ४ म हू ध्या रं म र्थे ना ग का ॥ ॥ थ थ वा न न ज य ॥

हाय हि स्य न कृतं यत्तद्गुणध्वजाया ध्वजः ॥ ॥ स न वाचः ४ स वाजा स नाय दन निदुल्लभः वन वाजा

दृष्टासुखजनंयत्यागनावाजाममववित्पुत्रास्त्वकवृक्षगवस्तिनावाजारुषाकुवार्थयागियमन्त्रस्व
 मानाछुत्यागनाइहं॥ ॥सननंधावधक्तसुथोदयवाजासुलनद्वयकाअदवसुविंकायिनद्वयक
 श्री अहवस्यजायनिसकलालिदाअनवाजाडानायजिह्मजयाआडाथक्तसुथोदयवाजाःशुक्लकवृक्षसिमाका १४
 सवानगितिहविंध्यासवालधक्तधयाडजिलहवकायधक्तथनडाया॥ ॥सुलनदिहादमाकछुंरु
 गगकद२समसाग्यहादविदहीनंयाफ॥ ॥धगुविमूलनदियाहादहमाजिधनडायाधन२जिग

लघादविगहादुलयावयधिजिन्दहीननामाधक॥ ॥दवियसादहवर्णदिलंधिगा२लंधियित्वात्
 लिगं१गलादविगक्षय४यादवंदनादिकंकलागि॥ ॥धदविगहादहीननासलितदियायसादनसु
 वतंदियावंगयाहाडानथथयावंगयाहाडादनादनासनंदविगहायायादुकादहीनयागधक॥
 दविकिंवरुमालाधयिथामि॥ ॥ददविगहादुलयावयधिसनगुगुविधमोदहमविक्राहसधक॥
 गजूपसगाडवाव४मानवनजातासिमी४सद्वदाविदद४त्वयभावतार्थंहीवसंधनवकमानाधयामि

रा ॥ ह मा हा व द म न ष दं दं म म ल्य स म म दानि दं द ४ ह मा वं श य क गु वि श्रु थ न्नी व सं वा द ॥
 वि श्रा व रु ध म्मे जि य हि स न आ वा ध ना या ना वा ना ध क ॥ ॥ स न वा च ॥ म ल्य म्मे दं दं वि ग ष्म म मा रि
 छी ना वि टं य मि व द वि व रु व रुं मा ला ध या मि ॥ ॥ स नं द वि ग हा य हि स कं न्ता य या क द व वि ग हा म ॥ २५
 ल्य या ना वि का क म ल्म न दं र्वा वि य हि द न या व य हि स क जि न द न्ता न्ता य या य थ गु वि ध म्मे द ना जि श्रु मि
 क ना ल्म न्ता जि क थ ध म्मे य मा द या ना वि का द न थ व रु ध म्मे जि न द न्ता न्ता ध क ॥ ॥ सा द्द ॥ १०० द मि

न व म ल्म थ यू हा या मि स य ना ना व न्ता ॥ ना द व य व रु क्क ल गि या स व यि क म य य थ धू य ग न्ता न व
 या दि सं जि क्क ल वं कू यो क ॥ ॥ द वि ग हा य नि स्यं आ ल्म द य क ल द न म हा स थ गु वि व रु ध म्मे
 द नं र्वा द्वा र्ज ल ना ध क र्ज ल सा द न गु गु वि र्वा द्वा र्ज ल थ गु वि जि मि स्यं पू व य या ना डा वि य दं सें तें दं हं
 ४ थ या व रु ग व ल स धा व सा ना व न्ता थ व ल स ना द व या क्क ल्म य द्वा ल गि या क्क ल्म स म सं यि क म य या हा ४ ह्वा न
 य थ धू य दि य गं ध नै व श १०० या दि सं क लं ना व ना क ल ध क ॥ ॥ य न व यि स व द वि ग हा स्यं स दि ग

सवेनामयि ४ यथा वक्रध्वसागवर्भं वा कलाकि कथा कलिशंकि ॥ ॥ पुनवा लथथ्य समस्कं गा
 लना गका ४ दविगहाय हिसकल्यं सदिगं थुगु विहीव संधा ना दविया वक्रध्वमेद ना ५ था गथ वक्रध
 वसागव रथा गकं आह्लाद यकल गथा थथ मिडिसं थुगु धमेद ना धका ॥ ॥ पुनवया दसिगं ४ मान १५
 व ४ वेव कलिशं सि ४ ह्दं मथ महु लना जाय कि कि यथा मया दसिग रथा कलिशंकि ॥ ॥ पुनवाल द
 विगहाय हिसन आह्लाद यकल दमान व ४ महु थथ थथा धका दनवा जाय कि कि द्यय हिसकल्यं सनं गा

थथ नडिमि संकन थुगु विवक्रध्वमेद नया गकना ४ या कि धका ॥ ॥ दम दाल कि धाव र्थो नो धन धा
 न्य सुव ह्दं वृथा वद नग मि धन ए वं म द स या मि य ४ वक्रुं संयु ह्दं गित्य पाव र्थं दधि ला धूम य वि ह्द का ४
 दि कं दायि कं गा ॥ ॥ थध्वमेद ना द्द या ४ निमि सि न धा सा म दाल कि दय वा या ग कि सि डा सि नू डा ४
 दा द व मा हि व ल ना य सम स्कं दय क या क निमि सि न द्य डों डि मि संक ना ध क ध्व मि नू य स या य नि संक ना डाय ४
 वक्रध्वमे हा कलं धं का ४ यार्थ ना या क क या क निमि सि न दधि न द्द या म य म धि द्द सम स्कं स ल वा या क विल ध का ४

॥ गदास्य न्यतरु दानसमाय मृति वासाय न कि नयासि गयास न विस्वयमेव हृदि वा दवि गहा संराय स
 श्येय गजासमिपं गत स राजा वि द्वा क वस्ति गं द ह्य सं रा वि ग ॥ ॥ अथ मत्त म द वि ग हा य हि स न वि या य
 ॥ स न व म्मु क वि ल थ पा थ ता या य ग ना व ल स थ म न नं ना जा व म हा थ थ म हा ड या स ना म या स द ना स न र ॥ ११
 ल नं या स न या य क वि ड ग व म्मु ४ का या ड ना ड द वि ग हा य हि स क लं न म स्का न या ना ड सू थो द य वा जा या थ
 स हा लि दा ड थ म्ना जा अ स क वृ द्वा सि मा क सं वा ना थ सं थं क ड न थ व ल स सं रा क व ल क ध व ॥ ॥ वा ड

वा व ४ किं गा व र वि लं वि रं ॥ ॥ अथ न वा जा न धा न द म न दू या ति मि स्ति न थ थ ४ गा वि लं र न द्वा ना ध व
 धा व ४ ॥ ॥ स ना वा व ४ द म स म हा ना ड या हि य म थ न व ना मा ना अ रू क द वि ग हा द ह्य ४ वि वा वि रं द
 वि ग हा किं काल न्य न वि द्वा मि थ क रू सं वा य ना रि सं रा वि ग ॥ ॥ स नं धा व द म हा ना ड द मा
 स्व द ल या न या क वं व का ४ ड ना व ल स अ रू क द वि ग हा य हि व ना ड वि वा ल या न य द वि ग हा य हि द ल
 या व य हि दू या ति मि स्ति न थ न वि ला र द य क वि क्का ना ध व द्वा या थ नं लि अ य स वा ग हा य हि स म धा व या क व

॥ मानवशुभांगना ॥ अथवा गद्यविशेषं ॥ ४८ ॥ बाह्यं जया ध्वजध्वज ॥ ॥ मम दं दकार्थं भागना ॥
 ॥ राजिन्ध्याया रत्नकालजया ध्वजध्वज ॥ ॥ गदुर्नमल्य ॥ छी वसंधावा वगुं सेवा ॥ अथवा गद्यविशेषं ॥
 छी नाविशुं दं मया कं ॥ दविग ॥ ममागिना विनं ममायि श्रुतयामि ॥ ॥ थनलि ॥ अथवा गद्यविशेषं ॥ १८
 छी वसंधावा दविश्या वरुध मेवना यान सवना ॥ जिनें अभा वरुध न ॥ ॥ साहल ॥ जिनें ध्वध मेव न कस्य विज्ञायमा
 लधवा ॥ नाययाना थध्वधया ध्वना ॥ जिनें ध्वध मेव विगहा ॥ नायं ध्वध विध मेव ना ॥ जया ध्वज ॥ ॥

॥ गनदुतां विनं विनं रुवकि मदा राजा दमस्व ॥ मम दारुधार्थं दुरुयि रुका दुरुध विरुदिनं अमिगं मयया हि ॥
 यं गुज सि ॥ ॥ अथवा गद्यविशेषं ॥ ॥ थगु विश्या निमिस्तिं थुका जि विल वरुध ॥ दमदा राजा दमः
 स्वदुलया वस्वा थुलि वरुधुस्य लिजि ॥ युवा हानया यया विल पीरु मा धिध विदु ॥ वरुध थगु मिगं जिग विल थम
 कलं जिमि हा कदया ध्वज वरुध ना ॥ थमलं थगु विरुमु ॥ सकलं गजा या गदा ॥ ॥ वयं विल ध्वज ॥ ॥ गजाः
 ॥ अथवा गद्यविशेषं ॥ ॥ छी वसंधावा वरुधुत्ता मयि हा जाना मि लुका मदी नयान वरुधु स्वयं दं दकार्थं भागना ॥ ॥

धनविश्वं विना जाना न आह दयकल दसेन धन आचार्यो वसंधा वाद विद्या वरुधं मध्या गुह्य जिं न्वयल
 मंठन नापं मंठना सियाम्म दु सेंतं विद्या गु विवमु अन्नया नय धाडा धन जा आन नु श न धका ॥
 नदनं या न व मु रु कं मदा संकुष्टा जा ग शि द ह ज न क थं य नि म म न रु व न्य म सु ख जा न वि स ॥ ॥ थ ॥
 न ध व मु क न जा न रु क ल या ४ म दा संकु रु श न आ न नु श या ४ न जा न सं न या हा न धा न अ म ग धि नु व
 न जि डा न्य म दा २ सा श न ध का न जा न आ ह द य क स वि क न ध का ॥ ॥ ता व द्या गं द्या व ४ न क रु व

न्य द वि द ह म ना य ध म्मे व ना य म मा शि ला व जा न मु ग द्या व ॥ ॥ थ न लि न जा न सें न या हा न्य धा व ॥
 अ म गु था हा स जिं वा ना २ ध क थु गु वि स व न द वि ग हा य नि द ही न या य द वि प नि ध म्मे हा द ४ न जिं म न स
 रा वि न रु सा रु ल न काल नं जि ड कू गु था स वा ना य न्य माल ध का न जा न धा व ४ ॥ स ना वा व न य
 वं न रु म दा वा ४ न जा स्य ता ग नो द वा या ग न ना स पा फ ४ ॥ ॥ सें नं धा व द म दा वा जि डा य ध का
 धा या वा जा सें न ति कं डा ना ४ ध द वि ग हा य नि स ध म्मे व रु द ना वां था स थं क ल डा न ध का ॥ ॥ क रु व

नदविगध्यननिष्ठनिधर्मस्तेनानायासमयानवेसंश्चादिन १॥ राजाद्रमस्तुलागंतयाका ॥ ॥ ७॥ थथुगु
 थाससंतंनानिस्तंधमोदनाथासथंका १॥ नथवलसथुगुनिवृत्तसंश्चादिगहायनि ॥ ६॥ मविष्ठाकथधर्म
 ७॥ दनाथासनातान्यगसांयाविजासां १॥ यादिंअन्यगसां १॥ पूत्रिशकंदयाडां १॥ थथानखनानाजानधाम १॥ १०
 गाथिंजिकमेशुशावाधकदविगहाद १॥ नयायमलागधका ॥ ॥ १॥ नदस्यविरुक्थंश्चादिगहाविष्ठा
 कासेवानित्यसि १॥ नानासवेस्यनदसिगसनय ॥ ॥ ॥ १॥ थथसंतंनानाजानिस्तसंतंनानागध

वलसश्रुकासंदविगहायनित्यंनानायाकश्रुदयकल १॥ दमहानाजधवासमसंजिमिस्थंअमसंनयाका ॥ क
 न्यधूनश्रुसंनयाका १॥ ॥ १॥ नाना १॥ कल १॥ ननमस्कालं १॥ कलाययागना ॥ ॥
 थनश्रुकासंदविगहायदिस्यश्रुदयकल १॥ नाना १॥ नथुगुनिवृत्तसंश्चादिगहायनिनामका १॥ नमस्कालयाता
 लिहाडान १॥ कलाया १॥ नाथास १॥ अखकवृ १॥ दसिमाकसंश्चात १॥ ॥ १॥ ननश्रुदयकल १॥ नमस्काल
 लं १॥ कलाय १॥ नाथास १॥ अखकवृ १॥ दसिमाकसंश्चात १॥ ननश्रुदयकल १॥ नमस्कालयात १॥ थुगु

स्यंतिनाजानसंनयाकधनद्वतसुनगधवा॥

॥स्यनावावकार्यवाजानवादनमालादयामि॥

॥संनंधावदमदाजद्वलयावधिनसत्रजिअथगयधवाधन॥

॥वाजावादंश्रययकिमिगवान्

धी

याध्याथावनि॥स्यनह्यापिगधनयमह्वानाजामदिग॥स्वमावादयकिमिगधनगवसमिययाक॥

॥२१

वाजानश्रुदयकलदसंनश्रुजद्वयाध्यायायकलधवाध्याया॥संनयमह्वंवाजामदिगंनिक्तस्यतंसलम

याजध्यावाकलकालतंनिदाया॥वाकसंदिमथंका॥विश्वकधवा॥

॥कमश्रुमाखयकिमिगवान्

नावाजापयवागर्गह्वाश्रुमाखयरुटिथीवजने॥नगमाददिमागलासदासेवममदगास॥काल्यनयादव

दनादिवांशह्वाजकूलमानिग॥

॥थनलियनमानस्यकुयजायनिसनवाजालिदाविश्वकधवा॥

उमाया॥यमाहायनिह्वादिंसकलदेसचिदाया॥वाजालखाडानमदाखादांकांलयाता॥नमस्कांलया॥

ना॥नावाययैका॥वाजगृदसविश्वकलधवा॥

॥यवागमजधलयादयकांलनमयवाजाश्रु

यिग॥संनयादयकांलयग॥

॥थनलियजानवाजायावादयकांलयकनथवावसवाजानधनदस

नक्षत्राणां च नृनिर्गुणिसिद्धिदिवाधकध्यासनयागुमिसिकलधकध्वनंलिवाजायायादयदालनयानधका॥

॥ आदकधं नजाविहमा रुवगिवाजा हानं लघयित्वायथमं नरसनय दालयित्वा यच्च दानाजाय दालः

ही लिग॥ ॥ थवेलस यत्रमानस्यसुघनिस्थं थिथिह्वल्लफमिजिसनाजा थूत्रिकयां नरुलनाधकधानवा २२

जाया हानं दिहलना ह्वयं सनया नितिकुमिसिकलत्रियनस थडाया उय दालया नधका॥

॥ गदनं न

ल्यवाजाय दयगिथ ४ अतस मयगा दाययगिः थित्यवं हल्लाक विदिना कल्लधल्लया मास॥

॥ थनलिना

जानाज गृहधमादाविष्का नजाजाया न अनेयाहसमसं राजं याकलथथ्यरयधूनका ४ नजादेन विष्का नधका॥

॥ यक्षवकुदितासमागम॥

॥ यत्रवानथगुत्रिधमोदनागुत्रिदिनहयाडाधका॥

॥ नजा

वाव ४ अमात्यमठियूनपरिगिअक्षरलंसं ह्रीवसंधानावल्लमा लाधयाम ४ सवपिनामय संजिकूवू॥

॥ थनलिनाजान अल्लादयकन दमलि कयशिकिं सिद्धि सद्धिडाया कस्यं ह्रीवसंधानादविषावल्लधमं

दत्यगनाथयागमसं यीगसय नावलादि ४ धका॥

॥ हृत्वा कथ्यासल्लिकिसं ह्वगं॥

॥ थग

मज्जनध्यायगुह्यवृत्ताः १ मज्जियनिस्यं समसं नालनाकलधका ॥ ॥ अथवाजाज्ञानउवाध्यायकलना
 यमनप्रशिवजिगः १ मज्जावृत्तकधुः कलाः काखायवमनमंदायधीमनगुह्युगितामस्ययिगं ॥ ॥ थनलिवा
 धी जानउवाध्या लयायया नमनवंददुः कधवाजानमनवृत्ताकमयायधूस्यंलि काखायवरुधकधया २३
 मज्जागमः ॥ ॥ यादिं वियधूस्यंलि सनगुह्यं उवाध्याधका नामदुः कधका ॥ ॥ गथास्वाधयित्वास मनगु
 कउवाध्यायतवरुमानाधीना ॥ ॥ थथवाजानमनगुह्यं उवाध्याधका नामयदां गियास्यंलि थमस

नगुह्यं उवाध्या रूयाध्वी वसंधानादवियावरुधमोदयकलधका ॥ ॥ वाजायदिरिगं रूकावनसनात्यस
 दिगनक्रियमचूगदविवरुसुगंधानिगा १ स्वदसुनवरुद्धित्वा वागायनंम्यद्धिफा ॥ ॥ थनसूथोदयना
 जायतिटिं सद्धिआनस्यं सधयवमाहायित्यादिनधी वसंधानादवियावरुधमोदनथसूथोदयनाजायाकलानचू
 नदविंवरुसुगंधानावातागुनिवरुकाथजवाताकिंवरुद्धिआनस्यंलि कदवधका ॥ ॥ यनद्वाननि
 म्बनाधटिति ससागतावदमधुलाथंयतिदिनं प्रकाथालिगुकमंगयित्वा दद्यालुकि वाजद्वानंयायं १ वकिकाधमः

दागुवकुकाजिअरुडा न. थुगु १ वरुजिन दया. ददविदमदावाणि. ध्वीवसंधानादवियावरुधमे
 मिजिसन. छुचिस्तान. यविगुयाना १ थुगुधमेवरुदयनूया १ दमदावाणिधका ॥ रावटिनिव
 छीवनछुत्वावंधीवसंधानायामिस्तदिकं हत्वातिम्वदवावरुमालाधिरंदिथकि ॥ राधनित्वागिति २०
 याववतठता १ निम्वदविंधान. दवगिति दंधायाथकोषधका. छुचिस्तानाता. छीवसंधानादविया. व
 रुधमेदना १ शानधका ॥ रागमुक्त्य १ छीवसंधानाविंकि. दधानूयत. वाहुदावगदामि. छु

तिरत्वावाहुदानमागन १ वाधिवरुकिवाकानिगारगाहुदावाहुता ॥ राधतलिछीवसंधानादविंकि
 नायासविकार. गथधानमा. दधिजिथिया नूयइया १ नाजायादानसंधानाधकाविंकिनायाता १ छीवसं
 धानादविजिथिया नूयइया १ वाहुदानसंधानविष्कार. थथकविइयावाना १ वृगदवियात्वागितिमल
 रुदवगितिथनडाधकाधानरा ॥ राआगावागितिदधकिमाह्वायिगंरा ॥ राथथमलगाडाथकव
 गितिडाया १ ददधि. दूआह्वायकाधकाधानरा ॥ वृध्वावावश्यमि १ ममववतमाहिमागामदागनवा

स्यदन्तद्वयमिति दृडा नाभूमिजिथिथननयसगच्छाधकथथानंमडां स्यवानसा दगिरुयाधवानसा गात्र
 यिन्यथं कद्वननयाडाधकधाना ॥ मयवमिति नाला वृद्धदद्याममारुमागामदतववकिदविच
 छी आह्लादिगुणुदास्माननकिष्ठतिर्यथादूलगायद्विगुरा ॥ थथचूनदवियाखठनाधमयमिः २१
 निजयाधवृद्धिजिथियाक्षाधनःद्वृद्धिजिथिचः जिमिनाहियूकदयाभूमिमामखधकनाहिंआह
 दयकाधनःद्वथनयायमदूधकःद्वथथं गाहुथं कडांनमालधकधाना ॥ वृद्धीवावःयूकंमवतनिसामि

गच्छामिश्रिवाक्षकृत्वागगा ॥ थनलिविद्विन्नधरुमिमीनसमयवनांदडिडाधवमिति यात्य
 सत्वगाजिडान्यथूकाधकस्वयानधयाधःथजिथिलिखडातधका ॥ यूनदविचिन्तिगंयूकदविभूः
 यार्कधनिम्वदविडडालनार्थंगच्छामिहिम्ववनंयाफा ॥ थनलिछीवमंधानादविनविंकनायाः
 नयूकदविंयायूमत्वगाःआडाजिनिम्वदविडधरयाधनधकाधनिम्ववनसविकागधका ॥ वः
 किआकानिगायमि २ वरत्यनविवालनार्थंगगागादं डयविहामागमासिविह्लायय ॥ थनः

लिङ्गी वसूधनाय विनिम्बदविद्याः प्रणिनिः ४ गतः द्रव्यनिधिः कथायाश्च निनिजिजान धक वृद्धिः
 जिथिजिननिम्बदविद्याः ४ या प्रयाः कडा ना ४ अजिमाडा ना दथन आयाधक निम्बदविद्याः ४ ना धा
 ६० वृद्धनिधक धावरा ॥ १० रुनिष्ठत्वाय निगत्वा द विविह्वायिगं द विगव विचालनाथं वृद्धकादाल २६
 मन्त्रनिष्ठगिरा ॥ ११ थनिविद्धि जिथिया ह्वरु नाडाः थच निनिजाना १ निम्बदविद्याः ४ ना रुनाय या क
 दद विदमाहा हि ह्वरु नाय विचालनाय अर्थनेडाया धक वृद्धि जिथि ह क मिजिमा वसुधना ४ ना नध

करा ॥ निम्बदया वाचकिव कथां किंविदं दुरुपवेगं विविचिन्मात्रमा कालयामि सादर कडय विम्यः
 नावकथां ॥ ११ थनच निनिगत्वा ह्वरु ना १ निम्बदविं आह्लादय कल द्रव्यनिनि अमं दूधान दूधिं गताया
 कदुरु दूधकथं गुविधर्म दना ४ ना वलसडा क्वा न्यमाल धक यूनवाल निम्बदविच निनिगत्वा न्यधान
 दगतिः कडा ना ४ अभा वृद्धि वा ना दकिध करा ॥ ११ थनिगत्वा वृद्धि आ गमा मिडय विम्य ना डय छि गं
 गात्वा वा विवा प्रादिकं कृत्वा निष्ठ निविं वरु माला च विगं ॥ ११ थथ निम्बदविद्या आह्ला ह्वरु ना ४ च

गमिडानाः थवृद्धिजिथिवातादव. वृद्धिमाशु. दृष्टाविश्वानिधकवातायन. पुनवान् थवृद्धिधीवसंधामा
 दवि. वृद्धावाव४ किंवदुमानावलिगं॥ ॥ वृद्धिजिथि
 नधाव. दयूगादं दूधमेव लधनलयावाताधक॥ ॥ दद्यावावृद्ध४ धीवसंधावावृद्धमानावलि २२
 यामि. मममर्कुराह्ना. अर्थयागं नविलयक० लयगतकं॥ ॥ वृद्धियाह्ना१ निम्वदविंधावदू
 डिमा४ धीवसंधावावृद्धावृद्धधर्मदतावाता. जिथिथि वृद्धावाविनिश्या४ वातामूर्धन्याः यागमदू. कलिः

लयादननमूर्धयागकना४ मूर्धयाना४ वाताधक॥ ॥ वृद्धावाव४ मयमवंगलं विद्धिनिधयनमिमव
 धायवृद्धावृद्धिन्धायदविनृयनमिथमि. मूर्धेययदायदानियत्रिवालसदित्यदायकासिगं॥ ॥ वृद्धिः
 जिथिनधाव. दनिम्वदविनि. श्रयम४ यं. थधमदतमह्वा. मन्वालनिम्वदवि. द्धिऊयाता४ निधयशूक
 थधमदनाधक. आह्लादयका४ थमस्यः वृद्धिजिथियावृयगा४ नासावाधीवसंधावावृद्धावृद्धधर्मदतावाता
 याक्तयदायदानियत्रियत्रिवालसदित्यकासयानाविश्वानधक॥ ॥ गगादविनांताववावनिध

॥ अथ यथा नारुखाया दोषी लसाद्यादिवंदना कला नि ॥ ॥ थ नलि निम्वद विंथ म्म रगव नि षी वस
 धात्राद विह्व ना ॥ म सा अया य सानवा या ॥ षी व सं धात्राद वि या या दू का स अर्थे षु या दित सित नक्ष म स्का लः
 षी या ना वा न ध क ॥ ॥ षी द वी वा व ॥ व स स उ षि ग १ ग ग व दानि द ला ग न य स्यं कि ग व क षं गाल म २०
 हि म का द्रिया का र व नि ॥ ॥ थ न लि षी व सं ना द विं आ क्ला द य क ल द म षा द ना १ ध क नि म्व द
 वि या षी ल जा ना ॥ थ ना थ थ द ग्व थ ल सं दानि द ना सं र य म स्का ला दं द स म हि म का आ दि ना ना न

ल व रु ष वि वि दि न्य वि य धु श थो थ का ध क आ क्ला द य क स्य वि क र ध क ॥ ॥ र द व क ल नि म्व दि या
 स व ल क्रि या फ ॥ ना क ग द स व धु वू य म य सा या धा नि म व धु वू य म य किं कि ति जाल य नि म धि क या फ १ य थ स
 प्र य दू ध मि व स व ल क्रि सं प धु द हि ग षु कि द वि व ल य मा दं द ला थ व म ल्य स र व म ल य तां ॥ ॥ थ न लि थ
 क नि म्व द विं स म सं ल क्रि ना क थू गु नि नि म्व व न स स व धु या म य आ ला या म य श ल द ध मा ला द ध ना मा लं जा
 ल य १ १ १ ल म ला स र य मा न श ल गा ग सि ग थ धा व सा स व स ग थ य न थ थं स म सं ल क्रि थ न वा क थ

दविद्यावल्लयसाउवाहाः४॥ थक्रनिम्वदवि. निम्ववनसमदाअनययाना४सूखंआनधका॥ ययून
 लविडकंमयाध्वनिध्वनिउगृदिद्यामिमानवांदालिदायाधिसाका॥ नयस्यति॥ ॥ यूनवालदन्तं
 ६॥ ६॥ वसंदात्रादविंआ ह्लादयकलजिगुनिधात्रिध्वनिमध्वननरुथुथरुनामायन. थक्रयाग्वलसं. दालिपः ॥ ७॥
 ॥ याधिसकनकयसमालिडा. अग्निगुनिधसकर्ण. डान्यममालिडाधकनिम्वदविद्याक्षा४न्याआह्लादयकस्यवि
 ॥ कागधका॥ ॥ कदाचित्तम्विनिगानिदनिद्यायान्वंमि. तसमयः नविदथर्योति. दवायायाधिसाकाः॥

अक्र. अयुगानरुहयुगंमदाकधनध्वन्यकंमदाधनामदाशागं. संयुधुयत्रिवालके४॥ ॥ यनलिधध
 म्मविंननायाकस्यं. चिकवधमजिडागुनिठ४धनसम्यकिवायू४मवायुधक. संसयसमाल. अवस्यंसम्यकिला
 यि४. थगुनिदकुसंयमिदक. ग्वक्रदवर्त. विदसूयायरुयिडासम्व. यूनवालम्वक्रयांयाधिवया४थायिंय
 धिमावन्नरुयू४ग्वक्रयां. युगमदयाशानिडाथक्रयाग्वयुधयू४हनंअक्रादिमदयकअन्यवाकिसिडासि
 समसं. मदाधनडानाशयू४शाहाअकशयू४समसंयत्रिवालदयुधका॥ ॥ कदाचित्तम्विनिगानिदनिद्यायान्वंमि. तसमयः नविदथर्योति. दवायायाधिसाकाः॥

यायस्वशिगंयूकनतीसुगभवासियलिपुर्धुनानायदिनिर्ककिगा बाजासछिलसर्वहृदयमथाकिंकिनिजा
 लमछिगसह्वशिगंदहीन॥ ॥थनुंलिनित्त्ववनसडाना॥ बाजातखल्लथगुलिनित्त्ववनशयू॥ गधि
 नधालसा नानाविचिशंशिठ स्यान्दाइवान्थयूषानि॥ अविभुंनानाहाकाकलंवनयत्रियुर्धुवानना २५
 नाअन्यगमगवयतिदधमागतयाकाडावानथगुलिनित्त्ववनस नडागुदयसिंदयामयडाहायामयअन्यगकिंकि
 तिजालयनाडा नदास्वरायमानुशयाडाथथिनित्त्ववनबाजानखनधका॥ ॥गगा नाहवकूनसंयुगवथंमदी

लक्रियाका॥ ॥थननाजानखल्लयमरुस्यवानगथधालसा नादालक्रिनित्त्वदविनगथगामधका॥
 ॥गदालनित्त्वह्विकारुदविनिद्यादिगा लंविवालनार्थदवमरुतिग॥ साहदंनमरुसमुलंदहायगतलक्रि
 रुवकि॥ ॥थथथनाजाअवायवायाडावानथथथान्यनित्त्वदविद्याधगितिनथनाजाडालवनडा
 गकावर्गनित्त्वदविद्याका॥ नयाधनायागददविदमाहाहिसिदिसमदावाजाह्वयालविवावयायअथनमरु
 नक्रिवाडाथनित्त्ववनसखल्लविद्यागथनखयातंवनयाललक्रिशडाधका॥ ॥पुषमंदवाजामछिलगला

निम्बदद्यादिवानादिकं कृत्वा विचित्रं ददिव कथं लक्ष्मि पाफ ॥ ॥ थ तस्मै यो दय न जानति निम्बदविया ददुदा ॥
 ताडाः निम्बदवि विवालयान् रुवेर्नेदवि गथ्य दन विचित्रं लक्ष्मीना दन धका ॥ ॥ गोद विमवेष्टु ना
 गकथि गं न जानामासूखन गिष्ठ नि क्वचि द्वि न्यय या मास ॥ ॥ थ नं लि निम्बदवि न दृ गां ट घ वा जा क न ध का ॥ ॥ ३६
 जानत्येव ॥ ॥ निम्बदवि डा न जा डा नि म्म सूख न थाना न जानादि न डा नं स वा भू नान धका ॥ ॥ सा ह ॥ ना
 जानि म्बदव्य सना न या ग वा रु कूल वृ ग द वि का या क लि ग द द य न क थं क र्क शं ति ख का म स ग ल्या ना जा वि श त्म यिः

स्वा मा न या मि चू ग द वि ख लि गं २ निम्बव न ग न ॥ ॥ थ न मा जा घ न स या न क चू ग द वि न थाल ना जानि म्ब व न
 न लि दा म ड डा लि दा म व स थाना डा चू ग द वि रु वि न ग म्वा या श्वा ल थ वा जा ग थ या य ध क म्मा डा जि न नि
 म्ब व र्डी डा ने ना डा ना जा य नि रं ग यि या ग डा न ध क धि रं ना या ना ४ चू ग द वि द ना २ स नं ति म्ब व न डा न ध का ॥ ॥
 न स या फ ४ निम्बव न व ग या रु धू लि यू य य क्षि फ स नं चू ग द वि ना लं धि गा ४ ख न म दा या ग क न ग दा ना चू ग द वि वा ल
 म्ब वि रा व गि म दा धा ल वृ पं या फ ४ ॥ ॥ थ न चू ग द वि ग काल नं मिम्ब व न थ न का व डा न निम्ब द वि या व र्क

धर्मदत्ताया च सधुनस्वान्ताऽपानाऽन्याथासः ॥ चूगदविनगायाऽप्यस्वानगायायायनचूगदविः सात्वाल्लभ्य
लनूयश्याऽऽनधका ॥ ॥ सवेजनाकलमखंयविष्टः ॥ कलादलहादसत्तायनायिगऽविंविदुलंगन-कर्म
कुमियाफऽ॥ ॥ ॥ यतसकलमनं चूगदविकलमखऽऽखनाऽचूगदविकायः ॥ ॥ हादगायाऽह्लाताऽविमडा ॥ २॥
न-गायिना-कर्मकुमिश्चनलडानधका ॥ ॥ ॥ कनयूकीलितिदयदृष्टऽयानिययारुगन-यूकालितिदयऽवि
गदं दृष्टाकलनंयिवरियूकीन्यासंकाषिनायूयकूगं गदृष्टिः ॥ ॥ ॥ यतचूगदविन-यूषऽनिरुऽखनऽ

लखगाययागडानंश्चयूष-निरुलित्यानाथान-थथथानाव-नखमखसथान-थयानसयूमलिनधान-चू
गदवियाहाऽन्य-दृगहाऽन्यगनाधका ॥ ॥ ॥ चूगदवीदावऽ॥ ॥ ॥ मममहागागितिऽहीवसंधानाद
विदहोनायगहासि-यूकन-त्वावाचआववाव-नयनदविविह्वायिग-थनमहायागदोनआवाकिवाव
साथगदनाश्चूगदविनधा-लजिथथिजलमिज-यायानिकिर्मिने-हीवसंधानादविदहोनायगडान्यगनाधका
कथचूगदवियाहंसेदाश्चयूषलिनधा-लजिमिसयूखदृष्टि-न-हीवसंधानादवियाहाऽन्य-नाययार्थक

नमालगुगुत्रियायायनक्रियनिविगदश्याश्वा नमालधकः धनस्यदताश्चूकदविधननंददास्यंडानध
 कः ॥ नगलंघयित्वायूनलयिगमहुकनादृष्टाः ननवकायं कथयकनमदायाककनश्रुवदोतिथामि
 कृकित्वायादविह्लापय ॥ ॥ थननंददावनाडागगहुकखनधगगहुकन ॥ ॥ वृगदविद्याहो ॥ २६
 ११ न्युक्रिदूयायायहागुगुलियायाविगनक्रियथथानमालधचिंतंहीवसंधानादविद्याहो ११ न्युनाययान
 नाश्चलधककनमालधका ॥ ॥ नगलंघयित्वा ॥ ॥ थननंददाडानधका ॥ ॥ पून ॥

२५ल

लयिमविमूखदृष्टादृष्टाचहुविमूखानवकायंयनमदायाककनश्रुवकिष्ठाभिहूकित्वायादविह्लापयय
 नलंघयित्वा ॥ ॥ थननंददास्यंलिचूकदविनसविमूखधगमूखनधयनिस्यनधालंक्रियनिदूयाया
 यनथथानमालधकधनवृह्वहीवसंधानादविद्याहो ११ न्युनाययानाकनमालधकाहुविमूखनधानंथ
 यद्वदताश्चूकदविधननंददाडानधका ॥ ॥ यश्चादहमदीयगकिलादृष्टागर्गवकायंयनमदा
 याककनप्रकिश्चयंकिष्ठाभीकित्वायादवीविह्लापय ११ नगलंघयित्वा ॥ ॥ थथदृष्टाडामविदतः

दद्यादाकितस्वन स्वताडाधान द्युक्तदविजिगुगुयायायनक्तिथं २थ थथान्यमालधवावृत्तेशीवसंधालाद
 विद्याकम् तापयानाकान्यमालधवा धनस्वकताडावृक्तदविधननंददाडानधका ॥ ॥ गगुक्तस
 यदृष्टा गदहीनमाशनसावृक्तदविशसिगं गतद्वृक्तसयधदृष्टा गदसिगमागतवृक्तदथा १४ बालमस्वयं २६
 का मदासूनयिरावति सर्वयायमूर्कं ॥ ॥ थननंददाडानाडा थनंलिहृष्टसयनस्वन धृष्टसयस्व
 नाडावृक्तदविहृष्टपुनवालदनंष्टुसयनवृक्तदविहृष्टथथस्वताडावृक्तसयनवृक्तदविद्यास्वानसु

२६

ग४थथृष्टसयनकायगुनं वृक्तदविद्याबालमस्वकगिवल थृष्टगित्त्वयाडाक्यायाथं गिनस्वालरुल
 कदविद्यासमसंयायनगानगलधका ॥ ॥ गगुनंययिन्वाविज्ञयुलकां दृष्टावृक्तदार्थीविज्ञयुवकां
 गनामि दवननदवागि दस्तनपद्मादगियुनवृक्षोवावनगुक्तमिश्रकवांष्टुत्वासागुहाह नवृक्षहाह
 हृष्टपुनयिप्रविष्टां १४ गगुलंययिन्वा ॥ ॥ थननंददावृक्तनक्तलस्यसिमाहृष्टुविधनथथस्वताद
 थक्तिनसिस्वालातं वनानदवनमविल थथनंथवृक्तदविनथडानादागिन स्वताडानयगनपुनवालसिमान

धात्रस्वकदविद्वनजिधियमखधवायाइसिमानदगा२सर्नोसिद्धम्व४चूकदविद्यानाहाकिसनिकेकनिका
 अविल.धविद्वयूनसरादायानाडाथननंदुहास्यजनधका११ राकगा३यनागन्य१दविद्यानाथंसेवेः
 छुचयनयाधियगृदित्वाउच्चगकदविद्वहो४चूकदविनासित्ताकशापुद्धगिस्त्रिभूदंस्ववर्धुजलयदकट ४०
 गाहसिसेवायसनवकश्रानजानासिखंडीवसंधावादविद्यानाथिभूदंमदकयध्यानादयाननदियवदकि
 गद्वकनमयमगयेयशालिमाननसूदहरादकि।यविगायवैकनशर्वयायक्षयागवकि॥ मथनज

यसमागहायहिमंडीवसंधावादविद्यासनातयाककागमर्थनसुवर्धुयाचलकनाडास्वमिवादाडावखना४चूकद
 वित.अयसमागहायना३दयित्ताकश्रमसुर्धुवेयाचल.हमिस्यनगहांजानावयावकअयमागहायनि
 स्यातधव.हमिसाकनद्वहामिसियागह्नीवसंधावादविमनातयाककागमर्थन.जिमिस्यन.धवखकालडायाध
 लखयताडासनातयाकगुवि.सनातयायधन्यतुन.वखषुसिडा४यालसथगुविलंघकायामिह्वासनिर्वायिन्मा
 छुदस्त्रिभूय४थगुविलखगातासाधन.कथु.कमेसयातायायसमसंभावनरुयधका॥ गिरिहृषविः

यातिमिति थथ्यवानमालधकधायाइदनधका४१॥ ॥ह्रीदवीवावभायव्वेह्मरीअकालिरवगिअनविद्या
 सदात्रिग॥सर्वज्ञनाखान्ययान्यकिंविदाययित्वांस्वगृहनिगय॥गनमदायागकनेवगिहगि॥गवदहान्यनमकि
 रवगिरा ॥ह्रीवसंधानादवितआह्लादयकलअमयनियव्वक्रमसगुअलिइयाडा॥गि२इवानकाड ४३
 विस्वासरुगकनसकल्यथडाइसयनथुगुयायायन॥गनहुकअमअंवात॥सवूकदविह्नतधव्वकनगुन
 अमयनिमकिइयूथकाधका४१॥ या ॥वूकदविपूनलपिविह्लायित॥सुचिमस्वाहसुह्यनेवका

थिरकानमदायागकनमयागिठाव॥ ॥पूनवालवूकदवितआवइदविह्नसुचिमस्वतजिह्वतह
 थनव्वखानादनगुगुयायायनइयातिमिगिन॥किथथ्यसुचिमस्वइयाडा॥वान्यमालधकाधका॥ ॥ह्रीदवी
 वभायव्वेह्मरीवाकनरवगि॥यनइह्मववनंकुगंदानादिधर्मनिदाआयागवगुगंअन्यहाकिंपथानवकाअंत्यनमदा
 यागकनहुचिमस्वागवगिरवकाथिरमागनमकिरवगिरा ॥ह्रीवसंधानादवितआह्लादयकलअमसुचिम
 ह्ययव्वेह्मरीवाकनथकाधयामस्वाइयनववहादातधर्मसचिकनामइ॥इविनमनसहिह्मधर्मयानायायकाकन

मद्रथगुयायायनथकाजूमहुविमूखश्याहान. दवृकदविद्वनथश्वकनरुनंमूमयामूकिदयधकाश
॥ वृकदविद्वनलपिविह्वयिगंदविद्वहकृहायायिनदष्टसत्यसिगा४कनमदायागकनइह्विगा
मिहाना ॥ यनवालदुनंवृकदविनधामददविद्वहृस्वनिद्वहकृहायायिनंजिह्वना४धनंवृह्वना ४४
दम. जिगुगुल्यायायन. दूयानिमिस्तिन. थथद्विह्वि४यायिद्वहकृहाश्याजानामालधका ॥
मदादयादहंकृहालानांममयसिगा ॥ ॥ यनलिद्वहंकृहायाकर्मयाह्वीवसंधावादविनश्रुहा

दयकस्यविज्ञानधका ॥ ॥ गद्यथावागिह्विवागादल्याय ॥ अदकदानादवागदलिद्व २मकोमिथ्यावा
नापियगाशोसपुणादिहाम ३मिह्ववायादवमन्यनदाज्वरतं४पिह्वहामिगगादवालदरुनंजयावृह्वदव
नाह्वालाकंदविह्वकंदजूमनिनयमायादयकगगिनववमिय ॥ अविह्वयादह्वानमह्व६यायादगिवनध्विमा
दितामिथ्याद्वि४दिनकृत्वयकाय ॥ ७४ ॥ गियायायिन४यूवजमकृगंवियाकाह्वरुतंगवाधिसामकिरावमि
॥ ॥ गथध्वनसा. दवृकदवि. दहंकृहायाययाह्वथथध्वान. न्यवस्यानानथजआयूमद्रमवमवियकं

वृद्धकनाः यापितिसकलंमंकि पयविशः वृद्धदविलिदाऽनयऽवाक्यमनिथ्यनकडाधका ॥
 राजकुयगा वृद्धदविश्रगगदिन ॥ निचवतसवानकनाजानवृद्धदविथ्यनवलडावधकडमगा
 वधकाः ॥ वाजावाचमरावकु शुभ्रका अमात्याह्वायिगाः अमात्यमदासवतवृद्धदविवाजगृहमा
 नया ॥ यतनिचवतसवानसुयोदयवाजानिचदवितिमंनजगृहसविष्कागथथविष्कास्यंलिना
 जानस्यससि यवमानयनिसकल्यधन दमिसं वृद्धदविमानयानाः मदावावयानाः आदलयाना

४५

डावातादकिधका अह्वाविलधकाः ॥ आमात्यावाचः ॥ यथाह्वायदवआमात्यायह गिसवजनंगलासद
 गारुल्लाल्यनवाजगृहः वृद्धदविमानिगाः ॥ यथावदनाः मकि यवमानयनिस्यनधान ददविदसदा
 वाजगृहदलयातसं अह्वाविल अथजिमिस्यनंयायधकाधमं मकिप्रशिमिनसमहलोकडा नातमस्कोल
 यानाः वृद्धदविवाजगृहसविष्काकलधका ॥ वाजगृहसंयाका ॥ वाजगृहसथ्यनधका
 सदादव्यावाहः यादकमल्यसिबसा नमस्कोलंशुलाकहल्यविवावादिहल्यह्वायगां ॥ यथावाजगृ

दसश्चनका ४ नाजायायादू ४ नमस्तुत्याना ४ वृक्षालशडा मध्वनाधका थिथिविवात्तया गधका ॥
 नाजावावभाकथं विथातजा गधका गगा ॥ ॥ नाजातआह्लादयकनदवृकदविचुगथविजागश
 यादृगहाशडा नाधका ४ ॥ ॥ वृकदवीसवेवृ गांरुहीवसंधावादविपुहावागगा ३ दंतान्ययरावगि ४ ॥
 ॥ ॥ थगदनाडा वृकदविंसवेवृ गांरुहवा नदमहावा रुही संधावादविषा यसादनथका कथितन
 लिताडया दमावाधका ॥ ॥ ४ ॥ त्यावर्हिना रुआवायना रुआडलासिगमरुय कगिययदिवस्य

दयासुखहायलयामासा ॥ ॥ थगवृकदविषा वृक ४ नाजाश्रुआवायवाया ४ वासिशयावातथ
 ननाजानदिनडा मवासा सुखनवानधका ॥ ॥ नावावर्हिदिनसमागक वृकदविना रुविह्लापि य
 थधयापूजानदिमवायवात्तनदिसंजक मंसवेरि ४ वरुमालाधयामि ॥ ॥ थनहीवसंधावादविषा
 वृकधमेदतदिमश्यावात थवलम वृकदविन रु नायया ग दमदा मका यूथ धयदियनेव शा ४ ॥ ॥ थदिनयजा
 गुलि विधिइल थगदयका ३ दलयाल ४ ॥ ॥ थदिन सिद्धिमकल ह्यनं हीवसंधावादविषा वृकधमेदनानया

धकारा राष्त्रं त्यक्त्वा वशु कर्म कलितं गदा ह्री वसंधाना स्वमागम सर्वसत्त्वाः स्वमेमादयाननं कलागिना
रादमादागजादमाद्यलसमिद्धि सतः थवक्रवर्मदताः थान्य थलसहो वसंधानादविः थसथ थमनं
उयगिरुस्यविक्रयु मिद्धिसकलं सत्वयादियति स्वमेमादयदानं थुः विक्रयुथका दमादागजाधकारा
राष्त्रं गिचूकदद्याः वचनं हुत्वा गजादिः सर्वजनसकाथ अष्टगलहारीः पूर्वकवक्रवन्ध थनकादिः
शया ह्री वसंधाना आल्लाविनं दमाद दमानवः कुं ह्योदि कदिं कना आकलागिना राथराह्री वसं

[illegible]

॥ अति सुखदा ॥ १ ॥ ॥ गंगावाजादि संध्यादि ॥ ४ ॥ वसंधानादृष्टावाजाड ॥ ५ ॥ ललदिदयागुत्वास्तु न न ॥ ६ ॥
 वसंधानायायादान्दुर्लभसिलसाविद्याद्यादिकं कृत्वा ॥ ७ ॥ किं वयथादविषुसनागुय ॥ ८ ॥ तथा कलानि ॥ ९ ॥
 थनवाजा ॥ १० ॥ यादिनसकलसुनहीवसंधानादृष्टं न ॥ ११ ॥ थं थं ॥ १२ ॥ वना ॥ १३ ॥ वाजायासनस ॥ १४ ॥ दवमाननड ॥ १५ ॥ ललदिदय ॥ १६ ॥
 आनदइया ॥ १७ ॥ सकलसुन ॥ १८ ॥ वसंधानादविद्यायादृक्ता ॥ १९ ॥ सुखयाना ॥ २० ॥ नमस्कोलयाता ॥ २१ ॥ तायाया ॥ २२ ॥ द ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥ निरुदविगथा ॥ २५ ॥ लयालसुन ॥ २६ ॥ चं कदविद्या ॥ २७ ॥ न ॥ २८ ॥ तथा ॥ २९ ॥ दयका ॥ ३० ॥ द ॥ ३१ ॥ थ ॥ ३२ ॥ जिमिस्त ॥ ३३ ॥ न ॥ ३४ ॥ याना ॥ ३५ ॥ द ॥ ३६ ॥

विदुः स्वनिहया ॥ ३७ ॥ लयात्रया ॥ ३८ ॥ सुयोदयनाजान ॥ ३९ ॥ वसंधानादविद्या ॥ ४० ॥ कयाथनाया ॥ ४१ ॥ गधका ॥ ४२ ॥ ॥ वग ॥ ४३ ॥
 हांपूर्व ॥ ४४ ॥ कला ॥ ४५ ॥ नाजाय ॥ ४६ ॥ रिगिमध्व ॥ ४७ ॥ कना ॥ ४८ ॥ ललयाता ॥ ४९ ॥ स्ति ॥ ५० ॥ वा ॥ ५१ ॥ विगा ॥ ५२ ॥ वन ॥ ५३ ॥ निर्य ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥
 कल्य ॥ ५६ ॥ हांपूर्व ॥ ५७ ॥ सुंलि ॥ ५८ ॥ सुयोदयनाजाय ॥ ५९ ॥ रिगिन ॥ ६० ॥ वग ॥ ६१ ॥ धम ॥ ६२ ॥ दक ॥ ६३ ॥ सकल्य ॥ ६४ ॥ वतया ॥ ६५ ॥ विमान ॥ ६६ ॥ न ॥ ६७ ॥ थना ॥ ६८ ॥ विगा ॥ ६९ ॥ वन ॥ ७० ॥
 थनयनधका ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ अथ ॥ ७३ ॥ नाज ॥ ७४ ॥ पु ॥ ७५ ॥ म ॥ ७६ ॥ क ॥ ७७ ॥ यो ॥ ७८ ॥ व ॥ ७९ ॥ ना ॥ ८० ॥ ज ॥ ८१ ॥ द ॥ ८२ ॥ य ॥ ८३ ॥ यि ॥ ८४ ॥ ला ॥ ८५ ॥ ध ॥ ८६ ॥ म ॥ ८७ ॥ द ॥ ८८ ॥ स ॥ ८९ ॥ ना ॥ ९० ॥ थं ॥ ९१ ॥ य ॥ ९२ ॥ न ॥ ९३ ॥ थो ॥ ९४ ॥ व ॥ ९५ ॥ ना ॥ ९६ ॥ ज ॥ ९७ ॥ न ॥ ९८ ॥ स ॥ ९९ ॥ र्ध ॥ १०० ॥ म ॥ १०१ ॥ ध ॥ १०२ ॥ म ॥ १०३ ॥ ल ॥ १०४ ॥
 यका ॥ १०५ ॥ स ॥ १०६ ॥ यि ॥ १०७ ॥ ला ॥ १०८ ॥ स ॥ १०९ ॥ व ॥ ११० ॥ ना ॥ १११ ॥ लं ॥ ११२ ॥ र ॥ ११३ ॥ वा ॥ ११४ ॥ नि ॥ ११५ ॥ र्ध ॥ ११६ ॥ नि ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥
 ॥ ११९ ॥ थ ॥ १२० ॥ न ॥ १२१ ॥ स ॥ १२२ ॥ यो ॥ १२३ ॥ द ॥ १२४ ॥ य ॥ १२५ ॥ ना ॥ १२६ ॥ जा ॥ १२७ ॥ या ॥ १२८ ॥ का ॥ १२९ ॥ य ॥ १३० ॥ ना ॥ १३१ ॥ ज ॥ १३२ ॥ पु ॥ १३३ ॥ र्ध ॥ १३४ ॥ म ॥ १३५ ॥ द ॥ १३६ ॥ या ॥ १३७ ॥ र्ध ॥ १३८ ॥ ना ॥ १३९ ॥

३०

यस्य नाजा माना १० यो वनाधका नाम कर्तुं याता इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं
स सवर्गितं ध्वनीवसंधानादविश्ववर्गधर्मवत्तासयात इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं
ध्वनादविश्ववर्गधर्मवत्तासयात इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं ॥ १० ॥
यस्य नाजा माना १० यो वनाधका नाम कर्तुं याता इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं
स सवर्गितं ध्वनीवसंधानादविश्ववर्गधर्मवत्तासयात इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं
ध्वनादविश्ववर्गधर्मवत्तासयात इत्यत्र नृधर्म स्वर्गं याता अर्थेति यत्तयो वनाङ्ग मध्वमधुत्वं ॥ १० ॥

DH

110-1

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

पुस्तक विभाग ४०